Association They are accusing particularly thoge persons in the Congress (I), belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes communities. The Chief Minister, Mr. Jyoti Basu, is reported to have mentioned my name in this connection. This has been reported in the 'Amrita Bazar Patrika' yesterday. It says:

> "On his return from North Bengal, Mr. Basu said that one of the Cong-ress(I) Rajya Sabha Members had submitted a memorandum to the Government demanding a separate State comprised of the five North Bengal districts. Facts reveal that secessionists were drawing support from the Congress (I), he claimed."

As far as I am concerned, I can say that i wa3 never a supporter of the Uttrakhand movement and I am, still, not a supporter of the Uttrakhand movement. 1 have also not submitted any memorandum either to the Central Government or to the State Government. I can challenge the Chief Minister in this connection. Let him prove it. If the memorandum is with his Government, then, let him publish it. i can say that I have not submitted any such memorandum. Fortunately,. the Minister of State of Home Affairs, Mr. Makwana, is here. He can say whether I have submitted any such memorandum. But still, the Left Front Government, particularly, the Chief Minister,, is accusing Congress (I) people, accusing me and he has brought in my name in this connection. Sir, a serioug situation is developing in North Bengal. Hence, through you, I would request the Central Government to make an on-the-spot study of the situation so that the Left Front Government and the Left Front party leaders, do not turn North Bengal into another Tripura,. where they have done similar things. Moreover, Sir, I would request the Central Government to See that a judicial inquiry is held into the incidents at Toofanganj. Mr. Jyoti Basu the incidents at Bijni. I do not say that he is not demanding it rightly. I say, he is demanding it rightly. Then, why does he not concede this demand 'for a judicial inquiry into the incident o'f Toofanganj? Hence Sir, I would once again request the Central Government to make an on-the-spot study of the situation and take appropriate steps. Otherwise, they will turn, West Bengal also into another Tripura.

REFERENCE TO THE REPORTED ASSAULTS ON TEXTILE WORKERS IN MODI MILL BY ANTI SOCIAL ELEMENTS

श्री सदाशिव बागाईतकर (महाराष्ट्र) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं एक और शर्मनाक कांड जो मोदी नगर, उत्तर प्रदेश में पुलिस द्वारा रचाया जा रहा है वह आपके समक्ष रखना चाहता हूं। मोदी नगर में 31 मई से 15 हजार सूती कपड़ा मिल मजदूरों की हड़ताल चल रही है वह अमन के साथ चल रही है। उसको तोड़ने में मोदी साहब असफल रहे हैं और उसको तोड़ने के लिए मोदी साहब अब पुलिस, गुण्डों और कांग्रेस (आई) के लोगों को साथ मिला कर मजदूरों पर हमला कर रहे हैं... *(Interruptions)*

श्री महेन्द्र मोहन मिश्र (बिहार) : बिल्कुल फाल्स...

श्री सदाशिव बागाईतकर : फाल्स-वाल्स कहने से पहले आप बात को तो समझ लीजिये। केसरी जी आप अपने मित्रों से कहिये कि वे समझ लें। मेरे पास तीन जुलाई की प्रधान मंत्री जी को लिखी हुई चिट्ठी है। आपके जिलाधीश

[श्री सदाशिव बागाईतकर]

को लिखी हुई चिट्ठी की प्रतिलिपि श्रीमान एस० पी० पुलिस, गाजियाबाद, डी०आई०जी० पुलिस मेरठ, कमिश्नर मेरठ मण्डल मेरठ, उपश्रमायुक्त उ० प्र० मेरठ, मुख्य मंत्री उ० प्र० शासन, लखनऊ, सहायक उप-श्रमायुक्त उ०प्र० गाजियाबाद, राज्यपाल महोदय उ० प्र० सरकार लखनऊ को भी भेजी गई है। पिछले तीन हफ्तों के अन्दर 10 बार हमले हुए हैं। सब से शर्मनाक घटना तीन जुलाई की रात को हुई है। सूती मिल मजदूर यूनियन के दफ्तर पर हमला किया गया। यूनियन के नेता श्री जयप्रकाश पर भी खूनी हमला करने की कोशिश की गई। पिस्तौल ले कर, रिवाल्वर ले कर लोग वहाँ पहुंचे और थाने में उन्होंने नाम लिया है लेकिन फिर भी वहाँ के जो थाना अध्यक्ष जिनको राजा राम पाल कहते हैं वे किसी की कम्पलेंट तक दायर नहीं करते हैं। यह जो तीन जुलाई की घटना हुई है उसमें धर्म सिंह शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, एडवोकेट (मेरठ), रमेश चन्द, खेम चन्द इन सब के नाम गिनाए हैं।

मैं आपके सम्मुख इस बात को रखना चाहता हूं कि मोदी साहब की गाड़ी पर कांग्रेस का झंडा लगा करके, मोदी साहब के रखे हुए गुंडे और कांग्रेस (आई) के वालन्टियर्स बिल्ले लगाकर लोगों पर हमला कर रहे हैं और सब से शर्मनाक बात यह है कि वहाँ का थानेदार जिसका नाम राजा राम पाल है, मजदूर जब उसके पास कंपलेंट लिखवाने के लिए जाते हैं, तो शिकायत लिखने के बजाए 151 के तहत चालान करा देता है और दो दो दिन बंद कर देता है गैर-कानूनी ढंग से। इन सारी बातों की सूचना दी गई है। बात क्या है? यहाँ श्रम मंत्री जी ने और प्रधान मंत्री जी ने भी ट्रेड यूनियन लीडरों के साथ बातचीत की कि झगड़े न हों, बातचीत से मामला चले। मोदी नगर की हड़ताल इसलिए चल रही है कि जो नैगोसिएशन चल रही थी, उसमें आपके मोदी साहब ने कहा कि हम बातचीत आगे नहीं चलाना चाहते हैं।

लोगों ने आर्बिट्रेशन की मांग की। पर आर्बिट्रेशन से इनकार किया गया और जब कांग्रेस (आई) की सरकार लखनऊ में आई, तब मोदी साहब की हिम्मत इसलिए बढ़ गई कि अपनी खुद की सरकार आई है और अब मजदूरों की किसी मांग को स्वीकार करने की बात नहीं है। मोदी नगर का जो इतिहास है, वह यह है कि मोदी जी एंटी-यूनियन हैं। 1974 में चार मजदूरों को गोली से उड़ाया गया था। यह सारा उसका इतिहास है।

तो मैं जानना चाहूंगा कि जब सरकार एक तरफ उन लोगों को कहती है कि कोई ज्यादा विवाद न हो, आपसी बातचीत के द्वारा.... *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R. MORARKA); You have taken more than the allotted time.

SHRI SADASIV BAGAITKAR; It is a serious matter. It is the happening 26 kilometres from Delhi.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R. MORARKAR): Every matter is serious, but special mention has its limitation.

श्री सदाशिव बागाईतकर : मैं मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि आपके पुलिस थाने में लोग जब कोई शिकायत लिखवाने जाते हैं, तो कंपलेंट दर्ज न करें--तो लोग क्या करें। जो कंपलेंट लिखवाने जाते हैं, उनको गिरफ्तार करके दो-दो दिन बिना किसी कानून के बंद किये जाते हैं। जब मैडिकल रिपोर्ट हस्तपाल की

लेकर जाते हैं मजदूर कि इस आदमी ने हमको मारा है, रिपोर्ट लिखो, वह लिखी नहीं जाती ।

इसलिए मैं चाहूंगा कि इन सब चीजों के बारे में सरकार सफाई से अपनी बात रखे और यह जो सारे चार्जेज, लीडर्ज और अफसरों को भेजे गये हैं, उसकी तुरंत जांच की जाए और मोदी नगर में जो हड़ताल अमन से चल रही है यह टूटे, अमन से बातचीत हो, इसके लिए सरकार को कुछ तत्काल कदम उठाने

REFERENCE TO THE REPORTED SEIZURE OF A CLANDESTINE RADIO STATION NEAR ANANTNAG IN KASHMIR.

श्री शिव चन्द्र झा (बिहार) : मैं आपका और सदन का ध्यान एक अहम विषय की ओर खींचना चाहता हूं और वह यह है कि देश में अभी भी छिपे रुस्तम रेडियो स्टेशन चला रहे हैं । यहां से प्रसारण हो रहा है हमारे देश के खिलाफ, बहुत तरह का हमारी सुरक्षा के खिलाफ, यह गतिविधियां चल रही हैं । लेकिन सरकार क्या कर रही है, इसका कुछ पता नहीं चल रहा है ।

अभी आज के अखबारों में खबर आई है जिसको मैं पढ़ कर सुनाना चाहता हूं कि—भले ही और मायने में वह खराब हो—वह अखबार दिल्ली का स्टेट्समैन है । लेकिन यह जो समाचार है, वह आपको पढ़ कर सुनाना चाहता हूं ।

A Clandestine Radio Station was seized by Kashmir police in Dyalgam village, 5 km. from Anantnag town in Southern Kashmir yesterday.

According to reports published prominently in almost all dailies today quoting police sources, a youngman named Imtiaz Ahmed, who was reported to have set up this clandestine radio station, has been detained and the equipment has been seized from his home.

According to these reports, the radio station broadcast advertisements from 10.00 a.m. soon after the morning transmissions of the Sri-nagar Station of All India Radio and Radio Kashmir ended. In evening also it made broadcasts from 5 p.m. to 6 p.m.

This had been going on for three weeks Police,, according to these reports, traced the location of the station last evening."

उपसभाध्यक्ष महोदय, कई सप्ताह से यह ट्रांसमिशन ब्राडकास्ट हो रहा था । तो संभव है कि देश के और जगहों में भी यह खुराफात चल रही हो और ट्रांसमिशन से ब्राडकास्ट हो रहा हो छुपे-रुस्तम तौर से, जो कि हमारी सुरक्षा तैयारियों के खिलाफ हो, हमारी आजादी के लिए खतरा हो । इसीलिए मैं मंत्री